



दी नैक्सट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

गोरखपुर जनता दर्शन में सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

5

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर खुलासा

8

महिला टी20 विश्वकप-ब्रिटिस का शतक

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 01

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 29 जून, 2026

चंपत राय का इस्तीफा

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व ट्रस्टी डा. अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चंपत राय ट्रस्ट के महासचिव पद पर थे।



अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को इस्तीफा सौंपा। ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने दैनिक भास्कर को बताया- चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की सूचना मुझे मिली है।

अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दर्ज एफआईआर के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि जांच की निष्पक्षता बनाए रखने और जांच पूरी होने तक यह कदम उठाया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने इस मामले में कहा कि उन्हें अब की स्थिति की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि चढ़ावा गबन मामले में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है। बता दें कि बृहस्पतिवार से ही चंपत राय के इस्तीफे की चर्चा थी। वहीं, कल रात चढ़ावा चोरी के मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर खुलासा इन आठ लोगों ने रची दान चुराने की साजिश

बाथरूम में छिपाते थे चोरी के नोटों की गड़ियां



राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर खुलासा

राम मंदिर में चढ़ावे के मामले में एफआईआर संख्या 0090/2026 25 जून को दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। ट्रस्ट सदस्य श्रीकृष्ण मोहन की तहरीर और एसआईटी की संस्तुति के आधार पर एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, टिन्नु यादव, अविनाश शुक्ल, मनीष यादव समेत कुल 8 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि एक अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है। वो अज्ञात आखिर

कौन हैं। एफआईआर में शामिल अधिकांश आरोपी दानराशि की गिनती और कैश प्रबंधन से जुड़े कार्यों में लगे हुए थे।

जांच के घेरे में कई चेहरे

मंदिर के चढ़ावे की गणना में कथित अनियमितताओं और चोरी के मामले में कई लोगों की भूमिका जांच एजेंसियों के निशाने पर है। इस प्रकरण में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु को अहम किरदार माना जा रहा है।

बताया जाता है कि वह मंदिर की व्यवस्थाओं में सक्रिय दखल रखता था और गणना प्रक्रिया की निगरानी भी करता था। गणना कक्ष की चाबी उसके पास रहने की बात सामने आई है। अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा की ज्यूटी चढ़ावा गणना में लगती थी। दोनों रिश्तेदारी के जरिए मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों के करीबी बताए जाते हैं। जांच के दौरान उनके घरों से कथित रूप से चोरी की रकम बरामद होने की बात कही गई है।

गोरखपुर जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं जन समस्याएं



संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय भरोसा देते हुए कहा कि जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था सरकार कराएगी। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।



'कानूनी दंड के साथ भगवान का महादंड पाएगा' चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र शास्त्री



संकट की घड़ी में वेनेजुएला के साथ भारत, मदद के लिए भेजी राहत सामग्री



हनुमानगढ़ी पहुंचे अरविंद केजरीवाल, महंत धर्मदास जी का लिया आशीर्वाद

यूपी के मौसम में बदलाव

मानसून आने के पहले प्रदेश में भीषण गर्मी कल के बाद मौसम ले सकता है यू-टर्न

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। प्रदेश के कई जिलों में कहीं कम तो कहीं तीव्र लू का असर रहा। हालांकि, राहत की खबर यह है कि दक्षिण पश्चिम मानसून अगले तीन-चार दिनों में उत्तर प्रदेश में दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 28 जून तक लू का असर जारी रहेगा। 29 जून को तापमान में भारी गिरावट की संभावना जताई जा रही है। राजधानी लखनऊ समेत बांदा, गाजीपुर, बलिया, सुल्तानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, अलीगढ़, बरेली, शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद में लू का प्रभाव रहा। वहीं लखीमपुर खीरी, बाराबंकी और बहराइच भी तीव्र लू की चपेट में रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, प्रदेश में प्रभावी मौसमी गतिविधियों का अभाव है।



यूपी सरकार को बड़ा झटका

किन हालात में की तैनाती, प्रधान नहीं हो सकते प्रशासक, हाईकोर्ट ने पूछे ये तीखे सवाल

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने कहा कि प्रधान प्रशासक नहीं हो सकते। हाईकोर्ट प्रदेश सरकार से पूछा कि किन हालात में अस्तित्वहीन प्रावधानों से प्रधान को प्रशासक नियुक्त किया गया। कोर्ट ने चुनाव की रूपरेखा पेश करने को कहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायतों के खत्म हो रहे कार्यकाल को बढ़ा कर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव टालने की सरकारी कवायद को झटका दिया है। कोर्ट ने 13 जुलाई तक सरकार को चुनाव की रूपरेखा पेश करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि असाविधानिक हो चुके नियमों के तहत ग्राम प्रधान प्रशासक की भूमिका नहीं निभा सकते हैं। कोर्ट ने प्रदेश सरकार से पूछा है कि किन हालातों में अस्तित्वहीन प्रावधानों के तहत ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया है। यह आदेश व टिप्पणी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने सहारनपुर निवासी अरविंद राठौर की याचिका पर दिया है।

यूपी में जल्द होंगे पंचायत चुनाव!

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को दिया झटका
- कोर्ट ने कहा कि प्रधान प्रशासक नहीं हो सकते
- कोर्ट ने चुनाव की रूपरेखा पेश करने को कहा

सम्पादकीय

चढ़ावा चोरी की जांच

एसआईटी ने चढ़ावा चोरी मामले की प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। राम मंदिर ट्रस्ट की लापरवाही और कुप्रबंधन उजागर हुआ। दोषियों पर कठोर कार्रवाई और पारदर्शी प्रबंधन की मांग।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल यानी एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी। हालांकि हिंदू समाज को चिंतित करने वाले इस मामले की जांच अभी जारी है और एसआइटी की अंतिम रिपोर्ट भी आनी शेष है, लेकिन उसकी प्रतीक्षा किए बिना अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कुछ न कुछ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे लोगों को भरोसा हो कि दोषी बचेंगे नहीं और भविष्य में दान का हिसाब—किताब नीर—क्षीर एवं विश्वसनीय तरीके से होगा। चढ़ावा चोरी प्रकरण केवल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी को उजागर करने वाला ही नहीं, बल्कि हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। यह मामला एक तरह से हिंदू आस्था के साथ छल है। इस छल के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होते हुए दिखनी ही चाहिए। इसकी पहल राम मंदिर ट्रस्ट को अपने स्तर पर भी करनी चाहिए, क्योंकि उसकी लापरवाही के चलते लोगों के भरोसे को गहरी चोट पहुंची है। अयोध्या में राम मंदिर के लिए दान मंदिर निर्माण के पहले से आ रहा है। कायदे से तो पहले ही ऐसी व्यवस्था बना ली जानी चाहिए थी, जिससे दान राशि के प्रबंधन में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहती। यह निराशाजनक है कि यह काम राम मंदिर निर्माण और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट के गठन के बाद भी नहीं हो सका। यह समझना कठिन है कि जब करीब छह वर्ष पहले दान राशि की गणना को लेकर एक आडिट फर्म ने सवाल उठाए थे, तो उसकी अनदेखी क्यों की गई? इस प्रश्न का उत्तर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को देना चाहिए। आडिट फर्म ने दान पात्रों के हिसाब—किताब में खामियों को दूर करने के लिए एक निश्चित मानक संचालन प्रक्रिया बनाने को कहा था। हिंदू समाज को यह बताया जाना चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? एसआइटी ने भी जिस तरह दान राशि का साप्ताहिक आडिट कराने का सुझाव दिया, उससे यही पता चलता है कि यह एक ऐसा बुनियादी काम था, जो पहले दिन से किया जाना चाहिए था। ट्रस्ट की गलती केवल इतनी ही नहीं कि उसने दान राशि का प्रबंधन उचित तरीके से करने की ठोस व्यवस्था नहीं की। इसे भी उसकी गलती कहा जाएगा कि चढ़ावा चोरी प्रकरण पर उसने तत्काल प्रभाव से एफआइआर दर्ज कराने की जरूरत नहीं समझी। कम से कम अब तो यह काम किया ही जाना चाहिए। वैसे भी एसआइटी ने इसकी सिफारिश कर दी है। यह पहली बार नहीं, जब किसी मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी का मामला सामने आया हो। ऐसा ही कुछ और मंदिरों के मामले में सामने आ चुका है। इन स्थितियों में सभी मंदिरों को दान राशि के प्रबंधन के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए, जिसमें किसी तरह की खामी और खराबी न हो।

पेंशन पर राजनीति नहीं, स्थायी नीति बने

अंततः पेंशन का प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा से जुड़ा विषय है। कोई भी समाज अपने उन लोगों को नहीं भूल सकता जिन्होंने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ समय सार्वजनिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगाया हो। वृद्धावस्था में सुरक्षा प्रदान करना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश में इस समय पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली को लेकर निरंतर बहस जारी है। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस), राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और हाल ही में प्रस्तावित यूपीएस पेंशन और विभिन्न पेंशन सुधारों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि सेवानिवृत्ति के बाद किसी कर्मचारी की आर्थिक सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। वास्तव में पेंशन केवल एक आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि वृद्धावस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का आधार है। कोई भी कर्मचारी अपने जीवन के लगभग तीन से चार दशक सार्वजनिक सेवा, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास कार्यों में समर्पित करता है। अपने कार्यकाल के दौरान वह राज्य और समाज के निर्माण में योगदान देता है। सेवानिवृत्ति के बाद नियमित वेतन समाप्त हो जाता है, लेकिन जीवन की आवश्यकताएं समाप्त नहीं होतीं। बढ़ती आयु के साथ स्वास्थ्य संबंधी खर्च, देखभाल, दवाइयों और पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता जाता है। ऐसे समय में पेंशन व्यक्ति को आर्थिक सुरक्षा के साथ मानसिक संतुलन और सामाजिक सम्मान भी प्रदान करती है। पिछले दिनों शिमला में एक प्रेस वार्ता में एनपीएस/ओपीएस पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस बारे में 2022 की नीति पर चलने का संकेत दिया है और जयराम ठाकुर का नाम विशेष रूप से लेकर उन्होंने हिमाचल भाजपा में उनके नेतृत्व की अहमियत को भी रेखांकित कर दिया है। चूंकि पेंशन और अन्य वित्तीय लाभों के कारण कर्मचारियों के बीच में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ज्यादा लोकप्रिय नहीं हैं, लिहाजा आजकल सोशल मीडिया में जयराम ठाकुर को पुनरु भाजपा की कमान मिलने के संकेतों के बाद टिप्पणियों की बाढ़ सी आई हुई है। 2003 के बाद सरकारी सेवा में लगे सेवारत कर्मचारियों और सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग में अपनी पेंशन सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से बेचौनी बढ़ी है क्योंकि पिछली बार विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कर्मचारियों को विधानसभा चुनाव लड़ने और अपनी पेंशन सुरक्षित करने की चुनौती दे चुके हैं। राजनीति में बड़े नेताओं के संकेत अक्सर शब्दों से अधिक प्रभाव रखते हैं, इसलिए इस बयान को केवल पेंशन नीति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि 2027 से पहले पार्टी के संभावित नेतृत्व की दिशा बताने वाले संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। भारत में जीवन प्रत्याशा दर पिछले सात दशकों में उल्लेखनीय रूप से

बढ़ी है। स्वतंत्रता के समय जहां औसत आयु लगभग 32 वर्ष थी, वहीं आज यह 70 वर्ष से अधिक हो चुकी है। चिकित्सा सुविधाओं में सुधार और जीवन में समृद्धि के कारण लोग अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रदेश के हजारों कर्मचारी दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में सेवाएं देते हैं। शिक्षा, बिजली, पानी, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिसकर्मी और अन्य विभागों के कर्मचारी वर्षों तक चुनौतीपूर्ण वातावरण में कार्य करते हैं। इसलिए कर्मचारियों का यह तर्क स्वाभाविक है कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें ऐसी व्यवस्था मिले जो भविष्य की आर्थिक चिंताओं से मुक्त रख सके। यही कारण है कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली के बाद कर्मचारी संगठन इसके स्थायी संरक्षण की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर सरकारों के सामने वित्तीय चुनौतियां भी कम नहीं हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे सीमित संसाधनों वाले राज्य में वेतन और पेंशन पर होने वाला व्यय बजट का बड़ा हिस्सा लेता है। बढ़ता सार्वजनिक ऋण, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति, आधारभूत ढांचे की आवश्यकताएं और विकास योजनाओं का खर्च सरकार के लिए निरंतर चुनौती बना हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि परंपरागत पेंशन प्रणाली में भविष्य का पूरा वित्तीय दायित्व सरकार पर होता है, जबकि नई प्रणालियां में इस दायित्व को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। विश्व के अनेक देशों ने इसी सोच के आधार पर अपनी पेंशन व्यवस्थाओं को विकसित किया है। डेनमार्क, नीदरलैंड, आइसलैंड, ऑस्ट्रेलिया और फिनलैंड जैसे देशों में पेंशन व्यवस्था को सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। आधुनिक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा यही कहती है कि वृद्धावस्था में कोई भी व्यक्ति आर्थिक असुरक्षा का शिकार न हो। पेंशन बहस का एक महत्वपूर्ण पक्ष समानता और न्याय का भी है। अक्सर यह प्रश्न उठता है कि जहां सरकारी कर्मचारी दशकों तक सेवा देने के बाद पेंशन के लिए विभिन्न नियमों और प्रक्रियाओं का सामना करते हैं, वहीं कई जनप्रतिनिधियों को अपेक्षाकृत कम अवधि के कार्यकाल के बाद भी पेंशन लाभ प्राप्त हो जाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सभी वर्गों के लिए नियमों में पारदर्शिता, संतुलन और न्याय दिखाई दे। आज आवश्यकता किसी एक व्यवस्था के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की नहीं, बल्कि ऐसे समाधान खोजने की है जो कर्मचारियों की वृद्धावस्था सुरक्षा और सरकार की वित्तीय क्षमता दोनों का ध्यान रखें। इसके लिए विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थानों, कर्मचारी संगठनों और सरकार के बीच रचनात्मक संवाद आवश्यक है।

भारी पड़ेगा मानसून का रूठना

मानसून की महत्ता को इसी बात से समझ सकते हैं कि कहावतों में इसे श्भारत का वास्तविक वित्त मंत्रीश कहा गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मानसून की मेहरबानी बहुत मायने रखती है। चूंकि मानसून एक मौसमी परिघटना है, इसलिए उसकी दशा—दिशा भी कई जलवायविक पहलुओं पर निर्भर करती है। ऐसा ही एक पहलू है अल नीनो। इस साल अल नीनो की आशंकाओं ने नीति—नियंताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बहुत स्वाभाविक भी है, क्योंकि कई प्रकार की अनिश्चितताओं से उपजी अस्थिरता में कमजोर मानसून वर्तमान स्थितियों को और बिगाड़ने का ही काम करेगा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ के अनुसार जून से अगस्त 2026 के बीच अल नीनो के सक्रिय होने की आशंका 80 प्रतिशत तक है, जो नवंबर तक 90 प्रतिशत तक हो सकती है। अमेरिकी मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अल नीनो के वर्ष 2026—27 की पूरी सर्दियों तक बने रहने के 96 प्रतिशत तक आसार हैं, जबकि नवंबर से जनवरी के बीच इसके चरम रूप धारण करने की आशंका 63 प्रतिशत तक है। हालात यही संकेत करते हैं कि 1950 के बाद यह अल नीनो का सबसे प्रचंड असर होने जा रहा है। यह किसी मौसमी अनुमान से अधिक रोजगार, खाद्य सुरक्षा, महंगाई और आर्थिक विकास दर पर मंडराने संकट की एक पूर्व चेतावनी है। इसकी अनदेखी करना बहुत भारी पड़ सकता है। अल नीनो के पीछे के विज्ञान को समझें तो गर्म पानी को पश्चिमी प्रशांत महासागर की ओर धकेलने वाली ट्रेड विंड्स कुछ वर्षों के अंतराल पर कमजोर पड़ जाती हैं। इस स्थिति में वह गर्म पानी वापस पूर्व की ओर फैलता जाता है, जिससे वायुमंडल में ऊष्मा का एक विशाल भंडार उत्सर्जित होता है। यही कारण है कि इतिहास के अब तक के सबसे गर्म साल आमतौर पर अल नीनो के वर्ष ही रहे हैं। पिछली बार वर्ष 2023—24 में इसके प्रचंड रूप ने ही वर्ष 2024 को वैश्विक तापमान के मामले में एक नया रिकार्ड बनाने की दिशा में उन्मुख किया था। यह गर्मी सिर्फ प्रशांत महासागर के ऊपर ही सिमटकर नहीं रहती। विज्ञान की भाषा में यह टेलीकनेक्शंस यानी दूरगामी मौसमी संबंधी परिघटना होती है, जो विश्व भर में वर्षा के रुझान को प्रभावित करती है। इसका एक निश्चित असर भारत में वर्षा के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी मानसून पर पड़ता है। इससे न केवल मानसूनी वर्षा में देरी होती है, बल्कि उसकी मात्रा भी संकुचित हो जाती है। इस तरह एक दूरस्थ महासागर में घटित होने वाली परिघटना घरेलू समस्या का रूप धारण कर लेती है। भारत को फसल उत्पादन और जल स्रोतों को दोबारा भरने के लिए जितने पानी की आवश्यकता होती है, उसके करीब 70 प्रतिशत हिस्से की पूर्ति मानसून से होती है। भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही मानसूनी वर्षा के दीर्घकालिक औसत के 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो सामान्य से कम श्रेणी में आता है। कमजोर मानसून के व्यापक दुष्प्रभाव देखने को मिलते हैं। इससे गर्मी और विकराल रूप धारण कर लेती है, जिससे श्रमिकों की उत्पादकता एवं समग्र उत्पादन प्रभावित होता है। कम बारिश से फसल उत्पादन पर असर से किसान की आमदनी घटती है तो आपूर्ति तंग होने से महंगाई बढ़ती है। भारत दुनिया के उन देशों में से एक है, जहां महंगाई को मापने वाले सूचकांक में खाद्य उत्पादों की बड़ी भारी हिस्सेदारी (47.6 प्रतिशत) है। अप्रैल में पहले ही मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच चुकी थी और लगता है कि यह अभी और बढ़ सकती है। मानसूनी वर्षा में कमी का सबसे बुरा असर देश के उपजाऊ मैदानी इलाकों पर पड़ता है। जून के मध्य तक इस हिस्से में पहले ही वर्षा में करीब 64 से 65 प्रतिशत तक की कमी देखी गई। इससे खरीफ की बोआई प्रभावित होती है। सिंचाई में मुश्किलों के साथ ही उसकी लागत भी बढ़ जाती है। केवल इस रुझान के चलते ही जीडीपी वृद्धि दर में 0.25 प्रतिशत तक की कमी की आशंका हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका श्नेचरश में वर्ष 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन ने इसके पीछे के एक बड़े नकारात्मक पहलू को रेखांकित किया कि इससे ऐसा नुकसान होता है कि बाद में हुई वर्षा भी उसकी भरपाई नहीं कर पाती और इसका चक्रीय प्रभाव करीब अगले तीन वर्षों तक देखा जाता है। इससे खाद्य उत्पादन में गिरावट से महंगाई दर में भी 0.5 से 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के आसार बन जाते हैं।

कतार में पीछे छूटा आदमी

यहां जो लोग हमें मिलते हैं, उनकी निपुणता अपना प्रशस्ति गायन स्वयं करने में होती है। अपने मुंह मियां मि— बनना इतनी पुरानी कहावत हो गई है कि अब तो बच्चे भी इसे नहीं दोहराते। हमें लगता है कि अपना प्रशस्ति गायन करना और करते रहना अब एक ऐसी कला में बदल गया है, कि ये लोग अपनी शान में कसीदे पढ़ते हुए तनिक भी नहीं झिझकते, और फिर उम्र भर यही विश्वास जीते चले जाते हैं, कि ये सब गुण उनमें सदा से थे, आपको ही नजर नहीं आए। यह बात केवल एक व्यक्ति के लिए ही नहीं, पूरे देश पर लागू हो रही है। हम अपने देश को सबसे बड़ा गणतंत्र बताते हुए तनिक भी नहीं झिझकते। दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र, लेकिन यह सबसे उत्तम भी है क्या? इसका उत्तर इसका कोई पैरोकार नहीं देता। कभी अठहत्तर वर्ष पहले जब इस देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का संविधान घोषित हुआ था, तब सबको विश्वास था कि जनाब इतना प्राचीन और पवित्र देश है कि आज भी इस देश में वैदिक ऋचाएं गूंजती रहती हैं। नैतिक मूल्यों का वर्चस्व है। देश आजाद हो गया है। अब तो राजमुकुट एक साधारण से साधारण आदमी भी पहन सकेगा। जनता का राज आ गया है। अब एक किसान और मजूर का बेटा भी सत्तारूढ़ होकर सबके भले के लिए सोच सकेगा। विशेषकर अपनी उन कठिनाइयों का समाधान अवश्य कर लेगा, जो सदियों से यहां लम्बित हैं, और जिनका समाधान न होने का धीरज हम सब ने अब पैदा कर लिया है। लीजिये साहब तीन चौथाई सदी गुजर गई। हम लोग मेलों ठेलों में यकीन करते हैं न, इसलिए इस आजादी को अमृत कह उसका महोत्सव भी हमने मना लिया। बोलने की आजादी मिल गई है। मुखर अभिव्यक्ति से गदगद लोगों ने एक दूसरे की टांग खिंचाई करते हुए सबको बताया। अपनी प्रशंसा में मुग्ध देश आज भी आश्चर्य है, और इस महान देश के एक सौ बयालीस करोड़ लोग भी कि 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा' , चाहे बाद में इसे रचने वाले इकबाल साहिब स्वयं ही इस रचना पर शर्मसार हो गए और अपने हिस्से का देश बांट उसे पाकिस्तान का नाम दे उसका प्रशस्ति गायन रचने लगे थे। इसका अर्थ यह हुआ कि लोगों का प्रशस्ति गायन मौके, स्थिति और जगह के अनुसार बदल जाता है। आज जो सर्वोपरि है, उसे वक्त बदलने पर धूल में मिलाते उन्हें देर नहीं लगती। जनता का राज्य आ गया। अपनी मत पर्वी और अब अपनी इच्छा का बटन दबा कर हम सरकारें बदलते रहे, कुर्सियां पाने के लिए 'आया राम की, गया राम से' छीन—झपट होने लगी। राजनीति का दर्शन 'गंगा गए तो गंगा राम और जमना गए तो जमना दास' हो गया। जनता के प्रतिनिधि अब राजमुकुट नहीं पहनते, लेकिन उनके परिचय ब्यौरों में आज भी करोड़पति हो जाने की ताकत है और उनके दामन पर अपराध के आरोपों के छींटें हैं। जो मुफलिस था, वह तो बेचारा आज भी मुफलिस है और गरीब के घर पीढ़ी दर पीढ़ी फटीचर पैदा होते रहे। लेकिन जनतंत्र के नाम पर धाकड़ और बड़बोले नेताओं का जयघोष गूंजने लगा। पहले लोग राजवंशों के पीछे—पीछे उनकी चादर उठा कर चलते थे, अब नेता जी का पोर्टफोलियो उठा कर साथ चलते हुए गर्वित महसूस करते हैं। हां, एक अन्तर अवश्य आया है। ये उदारमना नेता चुनाव के दिनों में जब कभी—कभार उनकी बस्तियों में पधारते हैं तो उन्हें अपने गले से लगा लेते हैं।

गोरखपुर जनता दर्शन में सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आये हुए लोगों की समस्याओं को सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वासन करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर



प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के

दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्रों को पास में खड़े अधिकारियों को हस्तगत कर समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद

की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। हृदय रोग से पीड़ित एक महिला से उन्होंने कहा कि इलाज के लिए उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम योगी ने जमीन कब्जा से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित और कड़े कदम उठाए जाएं। जबरन जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

थाईलैंड से गोरखपुर तक कैसे फैला नशा तस्करी का नेटवर्क

नोएडा में पकड़े गए युवकों से खुला अंतरराष्ट्रीय नशा नेटवर्क। थाईलैंड से गोरखपुर के रास्ते पश्चिमी यूपी पहुंच रहा था गांजा। एएनटीएफ कर रही विदेशी कनेक्शन और स्थानीय रिसीवरों की जांच।



संवाददाता, गोरखपुर। नोएडा में ओजी (ओशियन ग्रीन) गांजे की खेप के साथ पकड़े गए चार युवकों से पूछताछ के बाद गोरखपुर के जरिए संचालित हो रहे अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क की परतें खुलने लगी हैं। जांच में सामने आया है कि थाईलैंड से आने वाला महंगा हाइड्रोपोनिक गांजा गोरखपुर के रास्ते पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक पहुंचाया जा रहा था। मामले की जांच कर रही एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) अब इस पूरे नेटवर्क के विदेशी कनेक्शन की पड़ताल में जुट गई है। जांच एजेंसियों की नजर विशेष रूप से बैंकाक में रहने वाले गोरखपुर के उन लोगों पर है जिनकी भूमिका संदिग्ध मान जा रही है। **कौन है रिसीवर? हर पहलू की हो रही जांच** 21 जून को नोएडा में एएनटीएफ ने 3.650 किलोग्राम ओजी गांजे के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया था। इनमें बेलघाट क्षेत्र के मढ़हा गांव का शशांक शाही, राजघाट के तुर्कमानपुर यादव टोला निवासी युवराज चौधरी और रोहन चौधरी गोरखपुर के रहने वाले हैं, जबकि चौथा आरोपित पटना निवासी प्रणय पुष्प है, जो नोएडा की एक निजी विश्वविद्यालय में बीबीए का छात्र है। पूछताछ में पता चला कि प्रणय पहले स्वयं ओजी गांजे का सेवन करता था। नशे की लत लगने के बाद उसने इसकी तस्करी शुरू कर दी। इसी दौरान उसका संपर्क गोरखपुर के शशांक और युवराज से हुआ। पुलिस के अनुसार शशांक के परिजन थाईलैंड में रहते हैं। जांच में यह आशंका सामने आई है कि रोहन के साथ मिलकर वह थाईलैंड से ओजी गांजा मंगवाकर देश के विभिन्न शहरों में सप्लाई करता था। एएनटीएफ की जांच का सबसे अहम बिंदु अब विदेशी कनेक्शन बन गया है। सूत्रों के अनुसार गोरखपुर में बैंकाक से आने-जाने वाले लोगों के

जरिए इस नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका है। यही वजह है कि जांच एजेंसियां पिछले कुछ महीनों में बैंकाक से गोरखपुर आने वाले संदिग्ध लोगों की गतिविधि और उनके संपर्कों की जानकारी जुटा रही हैं। जांच अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि थाईलैंड से आने वाली खेप किन माध्यमों से भारत पहुंच रही थी और गोरखपुर तक पहुंचने के बाद उसे कौन लोग रिसीव कर रहे थे। स्थानीय स्तर पर सक्रिय नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की भी जांच की जा रही है। **पहले भी गोरखपुर पहुंच चुकी है ओजी गांजे की खेप** यह पहला मामला नहीं है जब थाईलैंड से जुड़ा हाइड्रोपोनिक गांजा गोरखपुर पहुंचा हो। 31 मई 2026 को कैंट पुलिस और एएनटीएफ ने संयुक्त कार्रवाई में 770 ग्राम ओजी गांजा बरामद किया था। इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई थी। जांच में सामने आया था कि यह खेप थाईलैंड से कोलकाता पहुंची और वहां से बिहार के रास्ते गोरखपुर लाई गई थी। पुलिस को यह भी जानकारी मिली थी कि शहर के एक होटल तक इसकी डिलीवरी की तैयारी थी। **नशा तस्करी के लिए ट्रांजिट हब बनता जा रहा शहर** पिछले पांच महीनों में हुई कार्रवाई से यह स्पष्ट हुआ है कि गोरखपुर नशा तस्करी के लिए अहम ट्रांजिट कॉरिडोर बनता जा रहा है। 29 मई को एसटीएफ ने बेलीपार क्षेत्र से करीब 20 लाख रुपये कीमत की चार किलोग्राम चरस बरामद की थी, जिसकी सप्लाई नेपाल और बिहार के रास्ते हो रही थी। इससे पहले नवंबर 2025 में एसटीएफ ने 635.5 किलोग्राम गांजा बरामद कर अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। उस कार्रवाई में पांच तस्करी गिरफ्तार हुए थे तथा एक ट्रक और स्कार्पियो भी बरामद की गई थी।

गोरखपुर में इंटरनेट मीडिया पर एके-47 ग्रुप बनाकर कर रहे थे आक्रामक पोस्ट, 13 गिरफ्तार

संवाददाता, गोरखपुर। इंटरनेट मीडिया पर 'एके-47', 'महाकाल' समेत विभिन्न नामों से ग्रुप बनाकर आक्रामक संदेश, फोटो और पोस्ट साझा करने वाले 13 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनके विरुद्ध केस दर्ज करते हुए पुलिस ने आगे की विधिक कार्रवाई की। पुलिस ग्रुप के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। छठ पर्व के दौरान अकटहवा पुल पर हुए गैंगवार के बाद 'एके-47' ग्रुप चर्चा में आया था। यह मामला कैपियरगंज थाना क्षेत्र का है। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र ने बताया कि पिछले कुछ समय से इंटरनेट मीडिया पर कुछ युवकों द्वारा भड़काऊ और आक्रामक पोस्ट साझा किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इन गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की एक टीम बनाकर इंटरनेट मीडिया की निगरानी बढ़ा दी। इस दौरान तीन ग्रुप सामने आए, जिसमें पहला ग्रुप महाखोर टीम एके-47 के नाम से मिला, इसमें दो युवकों का लीडर के रूप में ऊपर फोटो लगी है। जबकि सदस्य के रूप में 20 युवकों का फोटो नीचे लगा है। वहीं दूसरा ग्रुप टीम एके-47 भाई लोग के नाम से मिला। इस ग्रुप में भी दो युवकों का फोटो लीडर के रूप में ऊपर लगा है और नीचे अलग-अलग पोज में 10 युवकों का फोटो है। इनके अलावा एक और ग्रुप मिला, जो एके-47 के नाम से और उस पर हम तुमसे तब टकराएंगे, जब तुम कहोगे मेरे मुकाबले का



कोई नहीं पोस्ट के साथ पांच युवकों का फोटो लगा है। ये सभी ग्रुप के सदस्य मैसेज पड़ते ही साथियों के पक्ष में जुटते थे और मारपीट करते थे। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों को उकसाने, भय का माहौल बनाने तथा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों में सलिलप्त रहते थे। पुलिस ने ग्रुपों की पहचान कर उससे जुड़े सदस्यों को बुधवार और गुरुवार को अभियान चलाकर 13 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस उनकी पहचान कैपियरगंज थाना क्षेत्र के हरनाथपुर गांव निवासी प्रभाकर यादव और प्रतीक यादव, भरवलिया के ऋषिकेश साहनी व गुलशन साहनी, बसंतपुर टोला मनसा पुरवा के ऋषिकेश साहनी, गुलरिया टोला के विकास उर्फ छोदू, धर्मपुर टोला सिकंदरपुर के अनूप गुप्ता और रितिक गुप्ता, रामनगर केवटलिया के शेरू खान और रिकू यादव, गुलहरिया टोला लालपुर के शिवम शर्मा,

महावनखोर के दीपांशु पासवान तथा शवलहिया के नीरज पाल के रूप में हुई। एसपी नार्थ ने बताया कि सभी के विरुद्ध केस दर्ज कर पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। **जेल से छूटने के बाद सक्रिय हो रहे थे आरोपित** पुलिस के अनुसार छठ पर्व के दौरान अकटहवा पुल पर हुए गैंगवार के बाद 'एके-47' ग्रुप चर्चा में आया था। इस दौरान पुलिस दो दर्जन से अधिक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन, जेल से छूटने के बाद कुछ सदस्य दोबारा सक्रिय होकर इंटरनेट मीडिया पर ग्रुप बनाकर पोस्ट और फोटो प्रसारित कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने इस तरह के ग्रुपों की निगरानी बढ़ा दी थी। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि ग्रुप के सदस्य एक संदेश पर एकत्रित होकर मारपीट और रंगदारी मांगने जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे।

यूपी टीईटी 2026 की परीक्षा तिथियां जारी 30 जून से डाउनलोड करें प्रवेशपत्र

प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा दो पालियों में होगी

संवाददाता, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने उग्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टीईटी)-2026 की तिथियां घोषित कर दी हैं। परीक्षा दो, तीन और चार जुलाई को दो-दो पालियों में आयोजित की जाएगी। आयोग ने परीक्षा की तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। अभ्यर्थी 30 जून से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने प्रवेशपत्र डाउनलोड कर सकेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा

दोपहर 2:30 बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित होगी। दो जुलाई को दोनों पालियों में उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा छह से आठ) की परीक्षा होगी। तीन जुलाई को प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक और द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर (कक्षा एक से पांच) की परीक्षा कराई जाएगी। चार जुलाई को केवल एक पाली में प्राथमिक स्तर की परीक्षा आयोजित होगी। जिले में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में करीब आठ हजार शिक्षक कार्यरत हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार टीईटी व्यवस्था लागू होने से पहले

नियुक्त हुए लगभग साढ़े चार हजार शिक्षक ऐसे थे, जिन्होंने टीईटी अथवा सीटीईटी उत्तीर्ण नहीं किया था। हाल ही में आयोजित सीटीईटी परीक्षा में करीब एक हजार शिक्षक सफल हुए हैं। इसके बाद जिले में लगभग साढ़े तीन हजार शिक्षक ऐसे रह गए हैं, जिन्हें विशेष टीईटी आयोजित होने का इंतजार है। आयोग की ओर से परीक्षा केंद्रों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बीएसए धीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि आयोग की ओर से परीक्षा की तैयारी अंतिम चरण में है। जिन शिक्षकों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है वह परीक्षा में शामिल होंगे।

रेलवे बोर्ड का बड़ा फैसला-अब कर्मचारियों के घरों में भी लगेंगे स्मार्ट मीटर

गोरखपुर,संवाददाता। रेलवे बोर्ड ने बिजली प्रबंधन व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पूरे रेलवे नेटवर्क को स्मार्ट मीटर आधारित निगरानी प्रणाली से जोड़ने का निर्णय लिया है। बोर्ड की निदेशक विद्युत अभियांत्रिकी निशा मनोहर पाटिल ने 19 जून के अपने आदेश में वर्ष 2020 की पूर्व नीति को निरस्त करते हुए रेलवे आवासों, वेंडरों, निजी ठीकेदारों के कार्यालयों, रेस्तरां, यूनिशन कार्यालयों समेत उन सभी परिसरों में स्मार्ट अथवा प्रीपेड मीटर लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जहां रेलवे बिजली उपभोग का शुल्क वसूलता है। पहली बार कर्मचारी आवासों को भी इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। रेलवे का कहना है कि नई व्यवस्था से मैनुअल रीडिंग और मानवीय हस्तक्षेप खत्म होगा, बिजली खपत का रियल टाइम डाटा उपलब्ध होगा और पूरे नेटवर्क में केंद्रीकृत ऊर्जा निगरानी तंत्र विकसित किया जा सकेगा। बोर्ड की निदेशक ने कहा है कि इसके पूर्व वेंडरों, ठीकेदारों के कार्यालय, रेस्तरां और यूनिशन कार्यालय जैसे प्रतिष्ठानों में प्रीपेड मीटर लगाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन रेलवे स्टाफ क्वार्टरों को इससे बाहर रखा गया था।

प्रदेश में पहुंचा आठ्वां वेतन आयोग आठ लाख तक अधिकतम वेतन की मांग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के समक्ष विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने अपने-अपने सुझाव रखते हुए वेतन, भत्तों, पेंशन और सेवा शर्तों में व्यापक बदलाव की मांग की। सबसे प्रमुख मांगों में वार्षिक वेतन वृद्धि 3 से 6 प्रतिशत तक करने, ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर एक्स ग्रेशिया 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने, पुरानी पेंशन बहाल करने और न्यूनतम वेतन 60 हजार से 70,700 रुपये और अधिकतम वेतन 8,33,250 रुपये करने का प्रस्ताव रहा। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के प्रतिनिधिमंडल के दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने आयोग के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल डायरेक्टोरेट ऑफ ऑर्डनंस फैक्ट्री हॉस्पिटल एसोसिएशन तथा उत्तर प्रदेश आईएएस एसोसिएशन और रिटायर्ड आईएएस एसोसिएशन ने वेतन संरचना, भत्तों, पेंशन और सेवा शर्तों में व्यापक संशोधन की मांग उठाई। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन.डी. द्विवेदी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के समक्ष पक्ष रखा। फेडरेशन ने 3.93 फिटमेंट फैक्टर, न्यूनतम वेतन 70,700 रुपये तथा

आठ्वां वेतन आयोग

क्या हर साल 6 फीसदी बढ़ेगी कर्मचारियों की सैलरी

70 हजार होगा का न्यूनतम वेतन? आठ लाख तक होगी इनकी सैलरी



यह हैं कर्मचारी संगठन की प्रमुख मांगे

वार्षिक वेतन वृद्धि 5 से 6 प्रतिशत करने का प्रस्ताव (विभिन्न संगठनों की अलग-अलग मांग)। फिटमेंट फैक्टर 3.333 से 3.93 तक निर्धारित करने की मांग। न्यूनतम वेतन 60,000 से 70,700 रुपये तथा अधिकतम वेतन 8.33 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव। ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर एक्स ग्रेशिया 25 लाख की जगह 2 करोड़ रुपये देने की मांग। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की मांग। ग्रेज्युटी सीमा 50 से 75 लाख रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव। मकान किराया, परिवहन, शिक्षा, चिकित्सा, जोखिम और अन्य भत्तों में व्यापक संशोधन की मांग। प्रत्येक पांच वर्ष में पदोन्नति या वित्तीय उन्नयन तथा तकनीकी कर्मचारियों की वेतन विसंगतियां दूर करने का प्रस्ताव।

जूनियर इंजीनियरों का न्यूनतम वेतन 1.39 लाख रुपये करने की मांग की। साथ ही वार्षिक वेतन वृद्धि 6 प्रतिशत, लेवल-6, 7 और 8 तथा लेवल-9 और 10 के विलय, मकान किराया भत्ता 35 से 45 प्रतिशत तक करने और परिवहन भत्ता तीन गुना बढ़ाने का सुझाव दिया। ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर एक्स ग्रेशिया 2 करोड़ रुपये, ग्रेज्युटी सीमा 75 लाख रुपये, 600 दिन का लीव एनकैशमेंट तथा पुरानी पेंशन बहाली की भी मांग की गई।

न्यूनतम वेतन 60 हजार रुपये, अधिकतम वेतन 8.33 लाख रुपये करने की मांग

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे.एन. तिवारी और महामंत्री अरुणा शुक्ला ने आयोग के समक्ष न्यूनतम वेतन 60 हजार रुपये, अधिकतम वेतन 8.33 लाख रुपये, 3.33 फिटमेंट फैक्टर तथा वार्षिक वेतन वृद्धि 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा। परिषद ने 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समाहित करने, प्रत्येक पांच वर्ष में

दिखाया। फार्मसी अधिकारियों के लिए प्रस्तावित नई वेतन संरचना को भी आयोग की संस्तुतियों में शामिल करने का आश्वासन दिया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश आईएएस एसोसिएशन और रिटायर्ड आईएएस एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी देवेश चतुर्वेदी ने वेतन, भत्तों, चिकित्सा सुविधाओं, हाउस बिलडिंग एडवांस, ग्रेज्युटी, पेंशन कम्यूटेशन तथा वरिष्ठ स्तरों पर वेतन प्रगति में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

यूपी में सतपाल का एनकाउंटर

पार्षद और क्रिकेटर से दरिंदा बना सत्तू, नौकरी के बहाने लूटता था अस्मत

मेरठ, संवाददाता। मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम के साथ बामनहेड़ी रेलवे स्टेशन के पास हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनाम सतपाल उर्फ सत्तू मारा गया। तितावी क्षेत्र की किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। मृतक मुंबई के छोटा राजन गैंग का सदस्य और चंडीगढ़ के सेक्टर-31 थाने का हिस्ट्रीशीटर था। मूल रूप से मुजफ्फरनगर के पचौंड़ा गांव और चंडीगढ़ के राम दरबार निवासी सतपाल उर्फ सत्तू ने शातिराना अंदाज से कई किशोरियों का अपहरण कर यौन उत्पीड़न किया। नौकरी की चाह रखने वाले परिवारों के बीच वह खुद को फौजी बताता था। किशोरियों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपहरण कर ले जाता। अकेले पश्चिम उत्तर प्रदेश में ही कई मामले सामने आए। किशोरी के मिल जाने के बाद कई परिवार पुलिस तक नहीं पहुंचे। कचहरी से 19 जून को तितावी क्षेत्र की किशोरी का अपहरण हुआ। पुलिस अधीक्षक सिटी अमृत जैन ने बताया कि सतपाल की उम्र लगभग पचास साल होगी। वह रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डे व अन्य ऐसे ही स्थानों पर जाकर किशोरियों से बातचीत कर अपने जाल में फंसा लेता था। यही नहीं उनके घर चला जाता था। परिजनों को किशोरी की नौकरी का लगवाने का झांसा देकर बहाने से अपनी गाड़ी में बैठाता और अपहरण कर ले जाता था। मेरठ, बरेली, मुजफ्फरनगर और जगह क्षेत्रों में सामने आए हैं। रामपुरी निवासी एक किशोरी का नौकरी को बहाने अपहरण कर लिया। अपनी कार में बैठाकर हरियाणा जाने लगा। सरसावा पहुंचते ही किशोरी को अपने अपहरण का आभास हुआ। किसी तरह कार से कूदकर जान बचाई थी। मौके पर मौजूद भीड़ ने आरोपी को पिटाई कर पुलिस को सौंपा



दिया। तब परिजनों ने कार्रवाई नहीं की और पुलिस ने भी आरोपी का शांतिभंग में चालान कर दिया था। हरियाणा के करनाल से छह महीने पहले एक किशोरी को निशाना बनाया। किशोरी के घर पहुंचकर उसके परिवार से बातचीत की। परिवार ने नौकरी की आवश्यकता बताई तो आरोपी ने खुद को फौजी बताया। इसके बाद किशोरी को इंटरव्यू के बहाने अपने साथ कार में लेकर मेरठ आ गया। पकड़े जाने पर पल्लवपुरम थाने में मामला दर्ज है। तितावी क्षेत्र धार्मिक स्थल पर आरोपी खड़े होकर किशोरियों को निशाना बनाता था। इसी महीने 18 जून को वह धार्मिक स्थल पर पहुंचा। एक परिवार से बहाने से बात करने लगा। घुल-मिलकर रात में उनके घर ही चला गया। रात में परिवार से बातचीत हुई नौकरी की जरूरत बताई। कचहरी में 19 जून को किशोरी और उसके पिता को कार में लेकर पहुंचा। पिता को आधार कार्ड लेने बहाने भेज दिया और इस बीच किशोरी का अपहरण कर पिस्टल से डराते हुए पंजाब ले गया। 2007 में चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षद रहा पुलिस अधीक्षक सिटी ने बताया कि सत्तू 2007 में चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षद भी

मुठभेड़ में सतपाल सत्तू ढेर

लुधियाना से भागा, कार लूटी, पत्नी के प्रेमी की हत्या, छोटा निशाने पर थीं किशोरियां दो बार रणजी राजन गिरोह से जुड़े तार खेल चुका था सत्तू



शादी से पहले कपल के खाक हो गए सपने.

सजल नेत्र और माथे की भंगिमाएं प्रश्न कर रहे थे कि इस तरह के अग्निकांड कब तक होते रहेंगे? कब तक लोग स्वजन को खोते रहेंगे? अलीगंज अग्निकांड में जान गंवाने वालों के घर दिनभर सांत्वना देने लोग आते रहे। सभी गम और गुस्से में थे।

संवाददाता, लखनऊ। 23 जून की सुबह मोहल्लों की गलियां सूनी थीं। मानों कोई सगा चला गया हो। हर घर का कोई न कोई व्यक्ति उन पीड़ित परिवारों को ढाढ़स बंधाने पहुंचा था, जहां करुण क्रंदन हो रहा था। घरों में मचे चीख-पुकार सुनकर रूह कांप जा रही थी। मांओं, बहनों का विलाप झकझोर रहा था। परिवारीजन, रिश्तेदार बात नहीं कर पा रहे थे, पर उनके चेहरों पर गम और गुस्सा साफ झलक रहा था। सजल नेत्र और माथे की भंगिमाएं प्रश्न कर रहे थे कि इस तरह के अग्निकांड कब तक होते रहेंगे? कब तक लोग स्वजन को खोते रहेंगे? अलीगंज अग्निकांड में जान गंवाने वालों के घर दिनभर सांत्वना देने लोग आते रहे। सभी गम और गुस्से में थे। दिसंबर में सजना था मंडप, बिखर गए परिवार के सपने निलेश और अनामिका एक ही कार्यालय में साथ काम करते थे। दोनों ने जीवनभर साथ निभाने का वादा किया था। दिसंबर में उनकी शादी तय थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। अलीगंज अग्निकांड ने उनके सपनों को राख कर दिया। मार्टिनपुरवा निवासी 27 वर्षीय निलेश कुमार के भाई अभिषेक का कहना है कि यह केवल हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। निलेश पिछले तीन वर्षों से गेमिंग कंपनी के लिए डिजाइनिंग कर रहा था। अभिषेक कुमार ने कहा कि पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिल गई है, लेकिन इससे उनका भाई वापस नहीं आएगा।

राम मंदिर-खुला चढ़ावा चोरी का रहस्य, इन आठ ने मिलकर इस तरह से रची थी साजिश

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर खुलासा

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के खुलासे के 19 दिन बाद और जांच के लिए गठित एसआईटी की सिफारिश के दो दिन बाद आखिरकार एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु, ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा के रिश्तेदार अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा के अलावा गणना कर्मी मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र व गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव और कई अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई गई है। सभी पर साजिश के तहत धोखाधड़ी कर चढ़ावा राशि चोरी करने का आरोप है। पुलिस ने टिन्नु समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

राम मंदिर में छह जून को चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हुआ था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने खुद ही संदिग्धों को पकड़कर जांच शुरू की थी। उसके बाद 13 जून को एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने 23 जून को शासन को रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें एफआईआर की सिफारिश की गई थी। बृहस्पतिवार को ट्रस्टी कृष्ण मोहन की तहरीर पर कोतवाली रामजन्मभूमि में एफआईआर दर्ज की गई।

इन सभी आरोपियों से थाने में रात भर पूछताछ रही। आज यह सभी आरोपी जेल भेज दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक करीब 60 लाख रुपये अब तक बरामद कर लिए गए हैं। टिन्नु और सुभाष ने इस चढ़ावा

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर खुलासा

इन आठ लोगों ने रची दान चुराने की साजिश

बाथरूम में छिपाते थे चोरी के नोटों की गड़ियां



चोरी प्रक्रिया के बारे में कई महत्वपूर्ण राज पुलिस को बताए हैं। इसमें से कई बैंक अफसरों के लिए नाम भी लिए गए हैं।

सुबूतों के आधार पर बढ़ेंगे आरोपी कुछ अज्ञात भी आरोपी हैं। दरअसल, पुलिस की विवेचना में और साक्ष्य सामने



राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर गुरुवार की रात बड़े खुलासे हुए। 19 दिन बाद और जांच के लिए गठित एसआईटी की सिफारिश के दो दिन बाद आखिरकार एफआईआर दर्ज की गई।

आएंगे। इसमें सरकारी बैंककर्मियों के अलावा अन्य नामों का भी खुलासा होगा। बैंककर्मियों के खेल में शामिल होने के साक्ष्य भी मिले हैं। एफआईआर में भी सरकारी अधिकारी के चोरी में शामिल होने की धारा लगाई गई है।

विवेचना के लिए गठित होगी टीम, गैंगस्टर तक लगेगा

करोड़ों की हेराफेरी का मामला बेहद संवेदनशील है। ऐसे में विवेचना के लिए किसी आईपीएस या पीपीएस अफसर के नेतृत्व में टीम गठित की जा सकती है। वहीं, चोरी की घटना को संगठित अपराध की तरह अंजाम दिया गया है। लिहाजा केस की विवेचना पूरी होने के बाद टिन्नु व अन्य आरोपियों पर गैंगस्टर भी लगेगा।

बाथरूम में छिपाते थे चोरी के नोटों की गड़ियां

रकम पार करने के बाद अनुकल्प और अन्य आरोपी नोटों की गड़ियों को बाथरूम छिपा देते थे। बाद में मौका पाकर इसे मंदिर के बाहर ले जाते थे। फिर एक मकान में बंटवारा होता था। यह खेल दो से तीन साल से चल रहा था।

पूरी साजिश में सुभाष और टिन्नु की अहम भूमिका

सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोरी करते

दिखे सभी लोगों को आरोपी बनाया गया है।

पूछताछ व अन्य साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि इस पूरी साजिश में टिन्नु यादव और सुभाष श्रीवास्तव की बड़ी भूमिका थी। सुभाष ने ही चोरी के खेल में अन्य लोगों को जोड़ा था। गणना में ऊट्टी लगाने को जांच पड़ताल का जिम्मा सुभाष के पास था लिहाजा इन दोनों को आरोपी बनाया गया। एसआईटी ने फुटेज को साक्ष्य के तौर पर जांच में शामिल किया था। अब पुलिस अपनी विवेचना में इन साक्ष्यों को शामिल करेगी।

करोड़ों की नकदी और जेवरातों का हेरफेर, बरामद हुई थी रकम

एसआईटी की जांच में करोड़ों रुपये की नकदी और जेवरातों का हेरफेर करने की पुष्टि हुई थी, जिसमें इन आरोपियों का नाम सामने आया। यही नहीं, ट्रस्ट ने भी घटना उजागर करने के बाद इन सभी को पकड़ा था।

इनकी निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये बरामद किए थे। अब जब विवेचना होगी तो स्पष्ट हो सकेगा कि कितने करोड़ का खेल हुआ और कितना सोना-चांदी व कीमती धातु के जेवरात गायब किए गए।

शामली में पुलिस से मुठभेड़

50 हजार का इनामी मेहताब ढेर, दरोगा को भी लगी गोली



संवाददाता, शामली। शामली के कांधला क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मेहताब मारा गया। मुठभेड़ में दरोगा दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से हथियार और बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की है। शामली के कांधला क्षेत्र में शुक्रवार तड़के खंदावली पुलिस चौकी के पास पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मेहताब मारा गया। मुठभेड़ के दौरान कांधला थाने में तैनात दरोगा दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल, एक नौ मिलीमीटर की पिस्तौल और कई कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस पर फायरिंग के बाद हुई जवाबी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली थी कि खंदावली पुलिस चौकी के पास कुछ बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रुकने का संकेत दिया।

कौन सा मुंह लेकर जनता के बीच जाएंगे राहुल-अखिलेश: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन कहा। कांग्रेस और सपा पर संविधान तथा लोकतंत्र के अपमान का आरोप लगाया। राहुल-अखिलेश से पूछा, किस मुंह से जनता के बीच जाएंगे अब।



अपमान किया है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव को जनता को बताना चाहिए कि वह किस नैतिक आधार पर लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं। आपातकाल की 51वीं बरसी पर संतकबीरनगर पहुंचे मुख्यमंत्री ने जनता को उस दौर की याद दिलाई। कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान की मूल भावना को न केवल कुचलने का प्रयास किया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, चौधरी चरण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, चंद्रशेखर सिंह,

मुलायम सिंह यादव जैसे लाखों लोकतंत्र सेनानियों को जेलों में डालकर प्रताड़ित किया। समाजवादी विचारधारा से जुड़े नेताओं को भी नहीं छोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के सम्मान और बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए यदि कोई प्रतिबद्ध है तो वह भाजपा है।

एक भी बच्चा स्कूल आने से वंचित न रहे : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम गोरखपुर में एक लाख बच्चों का भोजन बनाने की क्षमता वाले नवनिर्मित अक्षयपात्र के केंद्रीयकृत रसोईघर का लोकार्पण किया। उन्होंने आज से शुरू हुए बेसिक शिक्षा के सत्र को लेकर शिक्षकों का आह्वान किया कि वे प्रयास करें कि एक भी बच्चा स्कूल आने से वंचित न रहे। विद्यालय में प्रवेश दिलाने के साथ उसे यूनिफॉर्म, बैग, जूता, मोजा आदि सभी उपलब्ध कराया जाए।

आउटसोर्सिंग नौकरियों के लिए करना पड़ेगा इंतजार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के माध्यम से सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग कार्मिक के रूप में काम करने की राह देख रहे युवाओं को अगस्त के बाद ही कोई मौका मिलेगा। आउटसोर्स सेवा निगम का पोर्टल तैयार करने के लिए उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कारपोरेशन लि. (यूपीडेस्क) ने अगस्त तक का लिया है। पोर्टल तैयार हो जाने के बाद ही निगम आउटसोर्स के माध्यम से भर्तियां करेगा। पिछले वर्ष 20 सितंबर को आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के लिए शासनादेश जारी किया गया था जिसमें आउटसोर्सिंग की भर्तियों के लिए चार श्रेणियां बनाई गई हैं। श्रेणी एक के पदों के लिए 40 हजार रुपये, श्रेणी दो के पदों 25 हजार रुपये, श्रेणी तीन के पदों के लिए 22 हजार रुपये और श्रेणी चार के आउटसोर्स कार्मिकों के लिए 20 हजार रुपये मासिक मानदेय निर्धारित किया गया है। कंपनी अधिनियम के तहत आउटसोर्स सेवा निगम का गठन किया जा चुका है। बोर्ड आफ डायरेक्टर्स का चयन किया जा चुका है। इसके साथ ही निगम के प्रबंध निदेशक और कार्यकारी निदेशक की तैनाती भी की जा चुकी है। निगम के लिए पिकप भवन में कार्यालय बनाया जा रहा है। इतना सबकुछ हो जाने के बाद भी पोर्टल नहीं बन पाने की वजह से आउटसोर्स की भर्तियां निगम के माध्यम से नहीं हो पा रही हैं।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा बेसिक शिक्षा विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ अग्निकांड के बाद परिषदीय विद्यालयों में आग से बचाव और रोकथाम के उपाय करने की कोशिश शुरू हो गई है।

बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को मध्याह्न भोजन योजना के सुरक्षित संचालन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत विद्यालयों की रसोई में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराए जाएंगे और रसोइयों को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

निर्देशों में कहा गया है कि विद्यालयों में भोजन बनाने के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं की किसी भी आशंका को रोकने के लिए विशेष इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। प्रत्येक रसोईघर में कार्यशील अग्निशमन यंत्र होना अनिवार्य होगा। गैस सिलिंडर, रेगुलेटर और बर्नर स्टोव की नियमित जांच की जाए। खराब उपकरणों को तत्काल बदला जाए। खाद्य सामग्री की मानक के अनुरूप उपलब्धता रहे और उसकी समाप्ति तिथि की भी जांच की जाए।

भोजन पकाने और परोसने का स्थान पूरी तरह साफ-सुथरा रखा जाए। खाद्यान्न और अन्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण और रसोईघर के भीतर व बाहर सफाई के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। अपर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर तबादले

65 अनुदेशकों का ट्रांसफर शासन ने जारी किया आदेश

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार ने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत 65 अनुदेशकों के तबादले का आदेश जारी किया है। विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नई तैनाती दी गई है। यह निर्णय प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत बनाने, मानव संसाधनों के संतुलित उपयोग और संस्थानों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के अंतर्गत कार्यरत 65 अनुदेशकों के स्थानांतरण का आदेश जारी किया है। संयुक्त सचिव मनोज वर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रशिक्षण निदेशालय की संस्तुति और शासन स्तर पर विचार-विमर्श के बाद विभिन्न राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में कार्यरत अनुदेशकों की नई तैनाती निर्धारित की गई है। जारी सूची में वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा, आरएसी, ड्राफ्ट्समैन, इंजीनियरिंग ड्राइंग, मैकेनिक ट्रेक्टर, फैशन डिजाइन टेक्नोलॉजी तथा अन्य व्यवसायों से जुड़े अनुदेशक शामिल हैं। कई अनुदेशकों को एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरित किया गया है, जबकि कुछ मामलों में पूर्व में किए गए स्थानांतरण आदेशों को निरस्त कर नई तैनाती दी गई है।

स्थानांतरण सूची में मुजफ्फरनगर, बरेली, गोरखपुर, आगरा, मेरठ, प्रयागराज, रायबरेली, शामली, अमरोहा, वाराणसी, मिर्जापुर और गाजीपुर सहित प्रदेश के अनेक जनपद शामिल हैं। शासन ने प्रशिक्षण निदेशक को निर्देश दिया है कि आदेश के अनुरूप आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह कदम संस्थानों में मानव संसाधन के संतुलित उपयोग और प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

महरौली में तीन मंजिला इमारत गिरी

कई लोगों के दबे होने की आशंका पुलिस अधिकारी मौके पर



दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के महरौली में तीन मंजिला इमारत का एक हिस्सा ढह गया। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। देश की राजधानी दिल्ली के महरौली इलाके में एक तीन मंजिला इमारत गिर गई है। इस दुर्घटना में कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे हैं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। यह घटना महरौली के वार्ड नंबर तीन में हुई है। गिरी हुई यह इमारत लगभग 300 गज के क्षेत्र में बनी हुई थी। जानकारी के अनुसार, इमारत को तोड़ने का कार्य चल रहा था। तोड़ने की प्रक्रिया के दौरान ही इसका एक हिस्सा अचानक ढह गया। पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और स्थिति को नियंत्रित कर रहा है। मलबे को हटाने का काम तेजी से जारी है। स्थानीय प्रशासन भी बचाव कार्यों में सहयोग कर रहा है।

इमारत का एक हिस्सा गिरा
अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना महरौली के वार्ड नंबर 3 में हुई, जहां लगभग 300 वर्ग गज में फैली एक इमारत को गिराया जा रहा था। इमारत ढहने की सूचना सुबह करीब 9:30 बजे मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी। गिराने के काम से जुड़े ठेकेदार को मौके पर बुलाया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इमारत ढहने के समय कोई मजदूर या अन्य व्यक्ति अंदर मौजूद था।

भाजपा की नई टीम का एलान

राजनाथ सिंह के बेटे को मिला पद, पूजा पाल बनाई गई उपाध्यक्ष

लखनऊ। यूपी भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम का एलान कर दिया है। भाजपा की नई टीम में ओबीसी की तरजीह दी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा पूजा पाल और सुरेश राणा को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई लिस्ट में 19 उपाध्यक्ष और 8 महामंत्री शामिल हैं। इसी तरह पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित किए गए हैं।

सरोज कुशवाहा को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देवेन्द्र सिंह किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। अशोक रावत अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रकाश पाल पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। दिनेश प्रताप सिंह मुख्य प्रवक्ता बनाए गए हैं। रोहित मिश्रा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

इन नेताओं को मिली प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

सुरेश राणा — उपाध्यक्ष
सत्यपाल सैनी — उपाध्यक्ष
ब्रज बहादुर — उपाध्यक्ष
डॉ धर्मेन्द्र सिंह — उपाध्यक्ष
मोहित बेनीवाल — उपाध्यक्ष
देवेश कोरी — उपाध्यक्ष
प्रियंका रावत — उपाध्यक्ष
दुर्विजय शाक्य — उपाध्यक्ष
रमेश सिंह — उपाध्यक्ष
नीरज सिंह — उपाध्यक्ष
अर्चना मिश्रा — उपाध्यक्ष
पूजा पाल — उपाध्यक्ष
शंकर गिरी — उपाध्यक्ष
कामेश्वर सिंह — उपाध्यक्ष
कृतिका अग्रवाल — उपाध्यक्ष
सुरेश मोर्य — उपाध्यक्ष
राजेश यादव — उपाध्यक्ष
कृष्ण बिहारी राय — उपाध्यक्ष
आलोक गुप्ता — उपाध्यक्ष

इन नेताओं को संगठन में मंत्री पद दिया गया

विजय शिवहरे — मंत्री
बसंत त्यागी — मंत्री
शिवभूषण सिंह — मंत्री
सहजानंद राय — मंत्री
अंकुर शर्मा — मंत्री
अनिल यादव — मंत्री
अवधेश श्रीवास्तव — मंत्री
विनय राजभर — मंत्री
प्रमोद जांगड़ा विश्वकर्मा — मंत्री
किरण लोधी निषाद — मंत्री
एकेश बिंद — मंत्री
सचिता सिंह चौहान (लूनिया) — मंत्री
रजनी पांडेय — मंत्री
राहुल वाल्मीकि — मंत्री
महामेधा नागर — मंत्री
दीपमाला संतोषी — मंत्री
सुहासिनी जायसवाल — मंत्री
यतेन्द्र शर्मा — मंत्री
आकांक्षा सोनकर — मंत्री

क्षेत्रीय अध्यक्ष पद दिया गया

नवाब सिंह नागर — क्षेत्रीय अध्यक्ष (पश्चिम)
पूरन लाल लोधी — क्षेत्रीय अध्यक्ष (ब्रज)
राम किशोर साहू — क्षेत्रीय अध्यक्ष (कानपुर)
अवधेश द्विवेदी — क्षेत्रीय अध्यक्ष (अवध)
अशोक चौरसिया — क्षेत्रीय अध्यक्ष (काशी)
विनोद राय — क्षेत्रीय अध्यक्ष (गोरखपुर)
कार्यालय पदाधिकारी
भारत दीक्षित — कार्यालय मंत्री
अतुल अवरस्थी — कार्यालय सह-मंत्री
लक्ष्मण सिंह — कार्यालय सह-मंत्री

मोर्चा अध्यक्ष

रोहित मिश्रा — प्रदेश अध्यक्ष (युवा मोर्चा)
प्रकाश पाल — प्रदेश अध्यक्ष (पिछड़ा मोर्चा)
देवेन्द्र सिंह — प्रदेश अध्यक्ष (किसान मोर्चा)
अशोक रावत — प्रदेश अध्यक्ष (अनुसूचित मोर्चा)
सरोज कुशवाहा — प्रदेश अध्यक्ष (महिला मोर्चा)
विद्याभूषण गोंड — प्रदेश अध्यक्ष (अनुसूचित जनजाति मोर्चा)
यह सूची पंकज चौधरी (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा उत्तर प्रदेश) द्वारा घोषित की गई है।

इन नेताओं को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया

रामप्रताप सिंह चौहान — महामंत्री
गीता शाक्य — महामंत्री
अभिजात मिश्रा — महामंत्री
उपेंद्र रावत — महामंत्री
संजय राय — महामंत्री
शंकर लोधी — महामंत्री
दिलीप पटेल — महामंत्री
राजेश चौधरी — महामंत्री

वेनेजुएला में तबाही का मंजर

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही, हजारों मौतों की आशंका

दिल्ली, एजेंसी।

वेनेजुएला में एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से भारी तबाही हुई। राजधानी काराकास में कई इमारतें ढह गईं, एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने आपातकाल की घोषणा की है। राहत और बचाव कार्य जारी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हजारों लोगों के मारे जाने की आशंका है।



भारत आने वाले 30

जहाजों ने पार किया होर्मुज

ईरान-अमेरिका समझौते का असर

अधिकारियों ने बताया कि 1 मार्च से 17 जून के बीच 19 जहाजों ने इस समुद्री मार्ग को पार किया था। वहीं, ईरान और अमेरिका के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद से 11 जहाजों ने जलडमरूमध्य को

सुरक्षित रूप से पार किया है भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके या उनकी ओर बढ़ रहे इन 30 जहाजों में से 17 विदेशी झंडे वाले जहाज हैं, जिनमें सबसे अधिक पांच जहाज मार्शल आइलैंड्स के झंडे तले चल रहे हैं।



26 अभी कतार में

मध्य पूर्व से भारत आ रहे 30 जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर लिया है, जबकि 26 जहाज अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

खाड़ी में मौजूद 26 जहाजों की स्थिति

टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम फारस की खाड़ी में अभी भी भारतीय हितों से जुड़े 26 जहाज मौजूद हैं। इनमें भारतीय झंडे वाले और भारत आ रहे विदेशी झंडे वाले, दोनों तरह के जहाज शामिल हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट से भारत आ रहे 30 जहाजों ने अब तक होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर लिया है, जबकि 26 जहाज इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने के लिए अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, शिपिंग मंत्रालय के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक, जलडमरूमध्य पार कर चुके 30 जहाजों में से लगभग आधे जहाजों पर एलपीजी और एलएनजी लदा हुआ था। इसके अलावा, आठ जहाजों पर थोक माल मौजूद था और सात कच्चे तेल के टैंकर थे।

दो साल से बीमार हूँ...

अलका ने पद्म भूषण मिलने के बाद लिखा भावुक पोस्ट

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक को पद्म भूषण से सम्मानित किया था। इस सम्मान को लेने के लिए मंच पर जाते समय 60 साल की सिंगर अटेंडेंट की मदद लेते दिखी थीं। वे बेहद कमजोर भी लग रही थीं। इसकी वीडियो वायरल होने के बाद कई फैंस ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई। वहीं अब अलका याग्निक ने सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर कर म्यूजिक में अपने योगदान के लिए पद्म भूषण मिलने पर आभार जताया है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी सेहत से जुड़ी मुश्किलों के बारे में भी बात की।

अलका याग्निक ने पोस्ट में अपनी सेहत को लेकर की बात

अलका याग्निक ने अपने नोट में पिछले दो सालों से अपनी सेहत से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, पिछले दो सालों से मैं लाइमलाइट और पब्लिक अपीयरेंस से दूर रही हूँ और अपनी जिंदगी

के सफर के बारे में ज्यादा कुछ शेयर नहीं किया है, आप में से कई लोग जानते थे कि मैं सेहत से जुड़ी मुश्किलों से गुजर रही हूँ और इस दौरान आपका प्यार, दुआएं, मैसेज और अटूट साथ हर कदम पर मेरे साथ रहा।

अलका याग्निक ने जताया आभार

अलका ने आगे लिखा, आज, जब मैं देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मानों में से एक प्रेस्टिजियस पद्म भूषण को लेने के लिए आगे बढ़ी, तो मेरा दिल ग्रेटिट्यूड से भरा हुआ था। यह सम्मान मुझे बहुत हंबल महसूस कराता है, और भले ही इस पर मेरा नाम है, लेकिन यह उतना ही उन सभी सुनने वालों का भी है जिन्होंने मेरी आवाज को अपनी जिंदगी में जगह दी, कई जनरेशन तक मेरे गानों को पहुंचाया और अच्छे और मुश्किल, दोनों ही समय में मेरा साथ दिया।

‘धीरे धीरे कमबैक कर रही हूँ’

अलका याग्निक लिखा, यह पल खास तौर पर मायने रखता है क्योंकि यह न सिर्फ मेरे

काम को मिली पहचान है, बल्कि प्यार, उम्मीद और हिम्मत से मिलने वाली ताकत की याद भी दिलाता है। मैं धीरे-धीरे वापसी कर रही हूँ और आज यहां मौजूद रहना चाहती थी, न सिर्फ अपने लिए, बल्कि आप सभी के लिए भी जो इस सफर का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्रालय और भारत सरकार का भी इस खास सम्मान के लिए बहुत-बहुत थैंक्यू करना चाहती हूँ। मैं इसे बहुत विनम्रता और सम्मान के साथ स्वीकार करती हूँ। इतने सालों तक आपके प्यार, दया, दुआओं और मुझ पर भरोसा करने के लिए थैंक्यू। मैं इन सभी चीजों को अपने साथ संजोकर रखती हूँ, आज मैंने सिर्फ एक अवॉर्ड ही नहीं लिया, बल्कि उन लाखों लोगों का प्यार भी महसूस किया जो मेरी जर्नी का हिस्सा रहे हैं। प्यार के साथ थैंक्यू अलका।

‘मैं भूल नहीं पाती’, सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय

एंटरटेनमेंट डेस्क। मौनी राय ने अपने पति सूरज नांबियार से अलगाव के बाद पहली बार माफी और आगे बढ़ने को लेकर बात की। अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी राय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

मैं आसानी से माफ कर देती हूँ

द फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में मौनी राय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी

और आज भी करती हूँ, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्सेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है। साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूँ, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूँ।



सिनेमाघरों में मराठी फिल्मों ने इस साल धमाल मचाया हुआ है। राजा शिवाजी के बाद देऊल बंद 2 ने भी बॉक्स ऑफिस लूट लिया है। दिलचस्प बात ये है कि रिलीज के महीने से ज्यादा होने के बाद भी प्रवीण तारडे की फिल्म कमाई कर रही है। हालांकि अब ये अपने सफर के आखिरी पड़ाव पर है। ऐसे में मोटी कमाई कर चुकी ये फिल्म क्या सुपर-डुपर हिट का टैग हासिल कर पाएगी?

देऊल बंद 2 के 34वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

स्नेहल तारडे और मनोज जोशी स्टारर फिल्म श्देऊल बंद 2 की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस ने हर किसी को हैरान किया है। मराठी फिल्मों का सिनेमाघरों में इतने लंबे समय तक चलना आम बात नहीं है। इसे अह घबड़कूड और तुंबडची मंजुला से भी टक्कर मिल रही है। बावजूद इसके देऊल बंद 2 पांचवें हफ्ते में भी अच्छी कमाई कर रही है, जो तारीफ के काबिल है। बता दें कि सैकनिल्व की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें 18 लाख रुपये कमाए हैं, जबकि सोमवार को इसने 20 लाख रुपये की कमाई की थी। इसी के साथ देऊल बंद 2 की 34 दिनों की कुल नेट कमाई अब 72.40 करोड़ रुपये हो गई है। जबकि इसका भारत में ग्राँस कलेक्शन 84.94 करोड़ रुपये हो गई है।

देऊल बंद 2 ने कितना कमा लिया प्रॉफिट

बता दें कि देऊल बंद 2 को 10 करोड़ के बजट में बनाया गया है। वहीं अपनी रिलीज के 34 दिनों में इस फिल्म ने 622 से ज्यादा प्रॉफिट कमा लिया है।

क्या सुपर-डुपर हिट का टैग मिल पाएगा?

बता दें कि कोई फिल्म सुपर-डुपर हिट तब कहलाती है जब वह भारत में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ-साथ 200 से ज्यादा रिटर्न भी देती है। वहीं देऊल बंद 2 200 प्रतिशत से कई गुना ज्यादा रिटर्न तो दे दिया है लेकिन ये मराठी डिवोशनल ड्रामा 100 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है। इस हाल में ये बॉक्स ऑफिस पर अपना सफर एक सुपर-हिट फिल्म के तौर पर खत्म करेगी लेकिन इसे सुपर डुपर हिट का टैग नहीं मिल पाएगा।

खुशाली कुमार की ‘दुल्हनिया ले आएगी’ का फर्स्ट लुक आया सामने

एंटरटेनमेंट डेस्क। फैमिली एंटरटेनर फिल्म ‘दुल्हनिया ले आएगी’ की पहली झलक सामने आई है। जानिए फर्स्ट लुक पोस्टर में क्या है खास और कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म ‘दुल्हनिया ले आएगी’ का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

ऐसा है फर्स्ट लुक

मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगडियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषित कर दी है। ‘दुल्हनिया ले आएगी’ 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है।



क्या गंभीर की यह सोच वैभव और डेब्यू के बीच बनेगी दीवार रिकार्ड तोड़ने के लिए करना होगा और इंतजार!

दिल्ली, एजेंसी। भारत-आयरलैंड टी20 सीरीज से पहले वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू को लेकर उत्साह चरम पर है, लेकिन टीम प्रबंधन ने साफ संकेत दिए हैं कि केवल रिकार्ड बनाने के लिए किसी खिलाड़ी को मौका नहीं मिलेगा। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी को और इंतजार करना पड़ सकता है। भारत और आयरलैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करेंगे? आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले इस युवा बल्लेबाज को लेकर जबरदस्त उत्साह है। अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह भारत के सबसे कम उम्र में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सोच इस राह में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

रिकार्ड से पहले टीम का हित सबसे अहम

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पहले टी20 मुकाबले से पहले साफ कर दिया कि अंतिम एकादश का फैसला कप्तान और मुख्य कोच करेंगे। उन्होंने संकेत दिए कि केवल किसी युवा खिलाड़ी को डेब्यू कराने के लिए किसी दूसरे खिलाड़ी के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा। कोटक ने कहा, 26 जून की शाम कप्तान और मुख्य कोच टीम का फैसला करेंगे। अगर वह खेलते हैं तो बहुत अच्छी



बात है और अगर नहीं खेलते हैं तो भी मेरे लिए यह अच्छी बात है, क्योंकि वह भारतीय टीम का हिस्सा हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि उन्हें उनका हक और मौके जरूर मिलेंगे। लेकिन सिर्फ उन्हें मौका देने के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर करना, जो लगातार रन बना रहा है, सही नहीं होगा। किसी को अवसर देने और किसी दूसरे खिलाड़ी के साथ अन्याय करने के बीच बहुत बारीक अंतर होता है। **गंभीर की व्यक्तिगत चेहरे पर टीम पहले वाली सोच को तरजीह**

गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम में एक बात लगातार देखने को मिली है कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से पहले टीम के संतुलन को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि अगर संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा या कोई अन्य बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो सिर्फ वैभव को डेब्यू कराने के लिए उसे बाहर करना टीम प्रबंधन

उचित नहीं मानता। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि ड्रेसिंग रूम में यह भरोसा बना रहना चाहिए कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को ही अवसर मिलेगा। यदि सिर्फ रिकार्ड बनाने या चर्चा के कारण किसी खिलाड़ी को मौका दिया जाता है, तो इससे टीम के भीतर गलत संदेश जा सकता है।

15 साल की उम्र में जल्दबाजी क्यों नहीं?

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहा है। इतनी कम उम्र में उन्होंने

आईपीएल में विश्वस्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ जिस निडर अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने सभी को प्रभावित किया। हालांकि, टीम प्रबंधन का मानना है कि उनके पास अभी लंबा करियर है। फिलहाल भारतीय टीम के साथ रहकर माहौल को समझना, वरिष्ठ खिलाड़ियों से सीखना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तैयारियों को करीब से देखना भी उनके विकास का अहम हिस्सा हो सकता है।

क्या सचिन का रिकार्ड तोड़ने के लिए करना पड़ेगा इंतजार?

वैभव सूर्यवंशी को लेकर क्रिकेट फैंस की सबसे बड़ी उत्सुकता यही है कि क्या वह कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू कर सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड को तोड़ पाएंगे? लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि टीम प्रबंधन किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है। यदि पहले से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की जगह सुरक्षित रहती है, तो वैभव को अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।

हालांकि, जिस तरह का प्रदर्शन उन्होंने आईपीएल में किया है, उसे देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि नीली जर्सी पहनने का उनका सपना ज्यादा दूर नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि टीम इंडिया चाहती है कि उनका डेब्यू किसी रिकार्ड या सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह उनकी योग्यता और सही अवसर के आधार पर हो।



आयरलैंड के कप्तान भी हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद

भारत-आयरलैंड टी20 सीरीज से पहले आयरलैंड के कप्तान ने 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने युवा बल्लेबाज को नई पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बताया और कहा कि इतनी कम उम्र में उनका आत्मविश्वास, प्रतिभा और निडर बल्लेबाजी सभी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भारत और आयरलैंड के बीच दो टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को खेला जाना है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इस मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत कर सकते हैं। डेब्यू करते ही वैभव सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़कर भारतीय पुरुष टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू करते हुए देखने का उत्साह सिर्फ भारतीय क्रिकेट फैंस में ही नहीं है, बल्कि आयरलैंड क्रिकेट टीम और वहां के फैंस भी इस बल्लेबाज का करिश्मा देखने का इंतजार कर रहे हैं।

लॉर्कन टकर ने क्या कहा?

आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर ने मैच से पहले हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में वैभव सूर्यवंशी को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, श्भारतीय टीम में एक 15 साल का खिलाड़ी होना उनके लिए बहुत अविश्वसनीय है। वैभव सूर्यवंशी को लेकर बहुत हाइप है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि खेल के इस पेशेवर दौर में ऐसा मुमकिन होगा, खासकर पेशेवर क्रिकेट में जितनी मेहनत लगती है और खिलाड़ियों का स्तर काफी ऊंचा है। ऐसे में उसे श्रेय जाता है — वह एक बहुत खास खिलाड़ी है। यह उसके लिए एक बड़ा पल होगा। मैंने पहले कहा था कि हमारे लिए उस

पार्टी को बिगाड़ना और उस गेम में असर डालना बहुत अच्छा होगा।

आयरिश फैंस भी कर रहे वैभव का इंतजार?

उन्होंने कहा, आयरलैंड में भारतीय समुदाय बहुत बड़ा है। मुझे पता सभी इस मैच को देखने के लिए तैयार होंगे, वे वैभव को देखेंगे। यहां ज्यादातर हाइप इसी बारे में है, कि वह इस सीरीज में अपना डेब्यू कर रहा है। वह एक जबरदस्त टैलेंट है। हमने उस पर जितनी हो सके उतनी रिसर्च करने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि उसने आईपीएल में धमाल मचा दिया, 75 छक्के मारने का मतलब उसकी स्किल का स्तर जबरदस्त है। यह सच में रोमांचक है। सीरीज में आने वाली ऐसी एनर्जी न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि देखने आने वाले लोगों के लिए, घर पर देखने वाले लोगों के लिए, और आस-पास खेल रहे बच्चों के लिए भी शानदार है।

बच्चों के रोल मॉडल हैं वैभव सूर्यवंशी

टकर ने कहा, हम आयरिश खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बनने की कोशिश करते हैं, मुझे लगता है कि उतनी ही जिम्मेदारी दुनिया भर के सभी खिलाड़ियों की है कि वे रोल मॉडल बनें। मुझे पता है कि वैभव अभी छोटा लड़का है, लेकिन वह अभी भी एक जबरदस्त खिलाड़ी है, और वह अब दुनिया भर के क्रिकेटर्स और आने वाले बच्चों के लिए एक बहुत खास रोल मॉडल है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को रोमांचित किया था। 776 रन बनाकर वैभव ने ऑरेंज कैप जीता है। फैंस चाहते हैं कि वैभव अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर भी धमाकेदार प्रदर्शन करें।

महिला टी20 विश्वकप-ब्रिट्स का शतक

दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया, भारत की क्यों बढ़ी टेंशन

स्पोर्ट्स डेस्क। महिला टी20 विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका ने ताजमिन ब्रिट्स के नाबाद 114 रन की बदौलत नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया। इस जीत से उसके छह अंक हो गए और नेट रन रेट भी बेहतर हुआ। अब भारत पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का दबाव बढ़ गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाजा टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना



सकी।

भारत की क्यों बढ़ी परेशानी?

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है

क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।



दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बकसीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मेटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

भारतीय क्रिकेट के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे की कहानी संघर्ष, धैर्य और वापसी की मिसाल है। आर्थिक तंगी और बढ़ते वजन के कारण उन्हें किशोरावस्था में क्रिकेट छोड़ना पड़ा था, लेकिन पांच साल बाद उन्होंने शानदार वापसी की। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दमदार प्रदर्शन और भारतीय टीम में लगातार प्रभावशाली खेल की बदौलत वह दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का अहम हिस्सा बने। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।